JAGRAN CITY PAGE III

प्रो. राकेश बने निदेशक

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में संचालित पं. दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक के रूप में विभाग के अध्यक्ष प्रो. राकेश द्विवेदी को नामित किया गया है। (जासं)

दो मार्च तक होंगे प्रवेश

लखनऊ : लवि में बी.एससी (एनईपी) के छात्र-छात्राओं का चौथे सेमेस्टर में प्रवेश दो मार्च तक होंगे। प्रो. शीला मिश्रा ने इसका नोटिफिकेशन जारी किया है। चौथे सेमेस्टर में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग फार्म जिस पर अपना पूर्व का सेक्शन लिखना अनिवार्य है। उसे लेकर तीसरे सेमेस्टर की अंक तालिका व फीस रसीद की छायापति के साथ प्रवेश प्रक्रिया पूरी करें। (जासं)

वायवा 24 को

लखनऊ : लवि के शारीरिक शिक्षा विभाग में बी.ए पांचवें सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं की इंटर्नशिप वायवा परीक्षा 24 फरवरी को होगी। छात्र-छात्राओं को दोपहर 12 बजे विभाग में पहुंचना अनिवार्य है। विभागाध्यक्ष प्रो. रुपेश कुमार ने यह सूचना बुधवार को जारी की। (जासं)

खत्म हो रही भाषाओं की जटिलता : प्रो. आनंद

लवि के समाजशास्त्र विभाग में बुधवार को हुए व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय समाज शास्त्र परिषद नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर आनंद कुमार ने रखे विचार • सौजन्य से विभाग

लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में हुआ लोकतांत्रिक राष्ट्र निर्माण की चुनौतियां विषयक व्याख्यान, प्रोफेसर आनंद कुमार ने रखे विचार

जासं, लखनऊ : लवि के समाजशास्त्र विभाग में स्थापित डा. राम मनोहर लोहिया शोध पीठ की ओर से बुधवार को 'लोकतांत्रिक राष्ट्र निर्माण की चुनौतियां' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय समाज शास्त्र परिषद नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर आनंद कुमार उपस्थित रहे।

व्याख्यान में उन्होंने मुख्य रूप से चार बिंदुओं पर बात की। इसमें बहु भाषीय समाज, बहु जातीय, महिला असमानता और बहु धर्मी समाज शामिल रहा। प्रोफेसर आनंद कुमार ने कहा कि भारत एक बहु भाषीय समाज है। आजादी के पहले और बाद में बहुत सी समस्याएं आईं, लेकिन समाज ने उसका समाधान कर दिया। यूपी के लोग इंजीनियरिंग आदि पढ़ने कर्नाटक, एमपी सहित विभिन्न राज्यों में गए। काम भी करने लगे, उन्हें भाषा को लेकर दिक्कत नहीं हुई। भाषाओं की जटिलता खत्म हो रही है। बहु जातीय की बात करें तो जाति की कुछ विशेषताएं अब अप्रासंगिक हो गई हैं। लेकिन भारतीय राजनीतिक दलों में जाति कहीं न कहीं बरकरार है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

प्रो. राकेश बने शोधपीठ के निदेशक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति ने प्रो. राकेश द्विवेदी को एक नई जिम्मेदारी दी है। प्रो. राकेश को समाजकार्य विभाग में संचालित पंडित दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ का निदेशक बनाया गया है। कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने इस संबंध में बुधवार को पत्र जारी किया। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 8

चतुर्थ सेमेस्टर में प्रवेश को दो मार्च तक जमा होंगे फॉर्म

एलयू

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में चतुर्थ सेमेस्टर में प्रवेश के लिए दो मार्च तक फॉर्म जमा करना होगा। इस संबंध में विज्ञान संकाय की संकायाध्यक्ष ने पत्र जारी कर दिया।

एलयू में विज्ञान संकाय के अलग-अलग विभागों के तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए सूचना जारी की गई है। संकायाध्यक्ष विज्ञान संकाय प्रो. शीला मिश्रा ने जारी सूचना में कहा है कि बीएससी एनईपी चतुर्थ सेमेस्टर में दो मार्च तक प्रवेश होंगे। इसके लिए तृतीय सेमेस्टर के उत्तीर्ण विद्यार्थी काउंसलिंग फॉर्म और तृतीय सेमेस्टर की अंकतालिका और फीस रसीद की छायाप्रति लगाकर प्रवेश सुनिश्चित करा लें।

शारीरिक शिक्षा की इंटर्नशिप वायवा परीक्षा 24 को: लखनऊ विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग में बीए पांचवे सेमेस्टर के छात्रों की इंटर्नशिप वायवा परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इस बाबत विभागाध्यक्ष प्रो. रूपेश कुमार ने बताया कि 24 मार्च को दोपहर 12 बजे से परीक्षाएं शुरू की जाएंगी।

PIONEER PAGE 3

एलयू में 400 लोगों ने किया फाइलेरियारोधी दवा का सेवन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जनपद में चल रहे सर्वजन दवा सेवन अभियान के क्रम में बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय स्थित आरोग्य भवन में फाइलेरियारोधी दवा सेवन करवाने के लिए बूथ लगाया गया। जिसका उद्घाटन कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार ने साल 2027 तक फाइलेरिया के उन्मूलन का लक्ष्य रखा है।

इस क्रम में सभी को फाइलेरियारोधी दवा का सेवन करना चाहिए जिससे कि तय समयानुसार जनपद फाइलेरिया मुक्त हो सके। जिला मलेरिया अधिकारी डा रितु श्रीवास्तव ने बताया कि मुख्य परिसर सहित सीतापुर रोड स्थित लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में भी फाइलेरियारोधी दवा का सेवन करवाने के लिए बूथ लगाया गया। दोनों ही जगह जिसमें स्टाफ और विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और कुल 400 लोगों ने फाइलेरियारोधी दवा का सेवन किया। इसके साथ ही यहाँ पर लोगों को यह जानकारी भी दी गई कि आईडीए अभियान के तहत लगातार तीन साल तक साल में एक बार फाइलेरियारोधी दवा का सेवन करने से फाइलेरिया से बचा जा सकता है। अभियान में कुल 54.21 लाख की जनसंख्या को फाइलेरियारोधी दवा खिलाने का लक्ष्य है। अभी तक विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, अपार्टमेंट, कार्यालयों, ईट भट्टों, में बूथ लगाकर दवा खिलाई जा चुकी है। इसके साथ ही आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर भी लोगों को रोस्टर के अनुसार फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन करवा रही हैं। इस मौके पर सीएचसी अलीगंज की स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी शालिनी चौधरी, सीएचसी का स्टाफ विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी अन्य स्टाफ , सहयोगी संस्था पाथ और पीसीआई के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

AMRIT VICHAR PAGE 4

छात्रों को स्केच डिजाइनर बनाने में करेंगे पारंगत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ,

● लखनऊ विवि के कई छात्रों को मिलेगा उद्यम और रोजगार

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों के हाथ में कापी- किताबों के साथ खिलौने भी होंगे। ये अच्छे डिजायनों के सहारे रोजगार अर्जित करेंगे। इन्हें सिखाने के लिए प्रख्यात प्रशिक्षक अमेरिका से लखनऊ आ गए हैं।

अमेरिका के प्रख्यात संस्थान में प्रशिक्षक पद छोड़कर घर लौटे दिलीप चौबे बताते हैं कि उन्हें प्रधानमंत्री के मेक इन इण्डिया का विजन इतना भाया कि उन्होंने नौकरी छोड़ देश के युवाओं को कुछ सिखाने का मन बनाया है। इसके लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के कुछ छात्रों को चुना है। शुरुआत में इन्हें जेस्चर ड्राइंग की जानकारी दी जाएगी। फिर देसी खिलौने तैयार कराए जाएंगे, ताकि युवाओं को उद्यम और रोजगार मिल सके। कहते हैं शुरूआत में राम, हनुमान और रावण के खिलौने बाजार में लाए जाएंगे, फिर कार्य का विस्तार होगा।

कॉमिक और टॉय इंडस्ट्री के लिए अन्य राज्यों में भी तलाश

दिलीप चौबे कहते हैं कि कॉमिक, एनीमेशन और टॉय इंडस्ट्री के लिए वे अन्य राज्यों में भी प्रतिभाओं की तलाश में हैं। इसके लिए वे विश्वविद्यालयों में टॉक सेशन लगाकर प्रतिभाओं का आंकलन कर रहे हैं।

लखनवी हीरो पर कॉमिक बुक हो रही लांच

अमेरिका छोड़कर आए कॉमिक आर्टिस्ट एवं इंटरनेशनल एजुकेटर (वीडियो गेम्स एण्ड एनीमेशन) दिलीप चौबे बताते हैं कि वे राज कॉमिक्स के लिए 300 से अधिक करेक्टर डिजायन कर चुके हैं। जल्द ही लखनवी हीरो पर आधारित कॉमिक बुक गुड्डू दरोगा के पात्र से लांच करने जा रहे हैं। इसकी प्रथम सीरीज का नाम यूपी 41 होगा। इसके बाद की सीरीज यूपी 32 होगी।

तैयार किये जाने वाले खिलौने चाइनीज खिलौनों से कहीं अधिक आकर्षक और सस्ते रहेंगे। इससे बाजार में मजबूत पकड़ भी बनेगी। प्रशिक्षक कहते हैं कि अभ्यास और प्रशिक्षण का कार्य पूर्ण होने पर व्यवस्थाएं आरंभ की जाएंगी, मॉडल तैयार कर लिया गया है।

छात्रों को सिखाए फाइलेरिया से बचाव के उपाय

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

»लखनऊ विश्वविद्यालय में लगाए गए तीन कैंप

अमृत विचार : स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और राष्ट्रव्यापी फाइलेरिया मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन अभियान के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय में कैंप का आयोजन हुआ। इसमें छात्रों को फाइलेरिया से होने वाली बीमारियां और बचाव के उपाय बताए गए। इस दौरान दवाओं का वितरण भी किया गया।

कैंप का उद्घाटन करते लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, साथ में अन्य।

बुधवार को लविवि में तीन बूथ लगाए गए। कैंप का उद्घाटन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा किया गया। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा लिम्फैटिक फाइलेरियासिस (एलएफ) को खत्म करने के लिए मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत के छात्रों के बीच दवाओं का वितरण किया गया। कैम्प में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से आए डॉ. सोमनाथ और राज्य प्रोग्राम मैनेजर ध्रुव सिंह, विश्व स्वास्थ्य संगठन के डॉ. नित्यानंद ठाकुर और जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. रितु श्रीवास्तव ने विवि के शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं को फाइलेरिया संबंधी बीमारी और उससे बचाव के उपाय बताए। इस दौरान डॉ. आरके सिंह, डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी की उपस्थिति में दवाओं का वितरण किया गया।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

फाइलेरिया से प्रभावित उच्च दबाव वाले दस राज्यों में यूपी भी शामिल

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के राष्ट्रव्यापी फाइलेरिया मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन

लविवि में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

छात्रों को वितरित की फाइलेरिया की दवा

अभियान के अन्तर्गत कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान मे आरोग्य भवन में फाइलेरिया ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कैम्प लगवाया गया। इस कैम्प के अन्तर्गत तीन बूथ लगाये गये एक आरोग्य भवन, दूसरा कैशियर कार्यालय के सामने तथा तीसरा द्वितीय परिसर में। कैम्प का उद्घाटन कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय द्वारा किया गया। कैम्प का आयोजन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.संगीता साहू के नेतृत्व में आरोग्य भवन इंचार्ज डा.कुसुम यादव द्वारा किया गया। कैम्प में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से डा.सोमनाथ, राज्य कार्यक्रम प्रबंधक ध्रुव सिंह, विश्व स्वास्थ्य संगठन से डा.नित्यानंद ठाकुर,जिला मलेरिया अधिकारी डा.रितु श्रीवास्तव, सहायक कार्यक्रम प्रबंधक विकास द्विवेदी सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। द्वितीय परिसर में कैम्प का उद्घाटन निदेशक द्वितीय परिसर डॉ.आर.के.सिंह द्वारा किया तथा डॉ.अभिषेक कुमार तिवारी,अतिरिक्त छात्र कल्याण अधिष्ठाता के निर्देशन में दवा वितरण किया गया। फाइलेरिया से प्रभावित उच्च दबाव वाले 10 राज्यों में से यूपी भी एक है। फाइलेरिया सूक्ष्म, तंतु जैसे कृमियों के कारण होने वाला एक परजीवी संक्रमण है। यह संक्रमित मच्छरों के काटने से फैलता है और यह दुनियाभर में उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में लाखों लोगों को प्रभावित करता है। फाइलेरिया संक्रमण से अंगों में लिम्फेडेमा (ऊतकों में सूजन) या एलिफेंटियासिस (त्वचा,ऊतकों में सूजन) और हाइड्रोसील (अंडकोश की सूजन) हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन फाइलेरिया के वैश्विक उन्मूलन में तेज़ी लाने के लिये तीन औषधीय उपचारों की सिफारिश करता है। उपचार, जिसे आईडीए के रूप में जाना जाता है। इसमें आइवरमेक्टिन, डायथाइलकार्बामाज़िन साइट्रेट और एल्बेंडाज़ोल का संयोजन शामिल है। ये दवाएं लगातार दो वर्ष तक दी जाएंगी। परिपक्व कृमि का जीवनकाल चार वर्ष से अधिक नहीं होता है। इस प्रकार यह व्यक्ति को नुकसान पहुंचाए बिना स्वाभाविक रूप से नष्ट हो जाएगा। भारत का लक्ष्य वैश्विक लक्ष्य से तीन वर्ष पहले यानी वर्ष 2027 तक फाइलेरिया को समाप्त करना है। संकाय में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा लिम्फैटिक फाइलेरियासिस (एलएफ) को खत्म करने के लिए राष्ट्रव्यापी सर्व दवा सेवन या मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) चलाए जा रहे अभियान के तहत के छात्रों के बीच डॉ.आर.के. सिंह, निदेशक, द्वितीय परिसर और डॉ.अभिषेक कुमार तिवारी,अतिरिक्त छात्र कल्याण अधिष्ठाता के निर्देशन में दवा वितरण की गई।

THE PIONEER PAGE 3

LU students excel in UGC NET exams

PNS ■ LUCKNOW

Lucknow University announced the achievement of its students in the CSIR UGC NET Examination held in December 2023. "Several students from various departments have showcased their exceptional academic prowess by qualifying this prestigious examination," LU spokesperson Durgesh Srivastava said.

The CSIR UGC National Eligibility Test (NET) is conducted to determine the eligibility of Indian nationals for the award of junior research fellowships (JRFs) and for determining eligibility for appointment as lecturers in universities and colleges across India.

Eight students of LU qualified for junior research fellowships and six for lectureship eligibility. Two students from Zoology, three from Physics, two from Botany and one from Biochemistry departments qualified for JRF. Three students from Zoology, one from Biochemistry and two from Chemistry departments qualified for lectureship eligibility.

"Their success is a testament to the quality of education and the rigorous academic environment provided by the Lucknow University," the spokesperson said.

LU Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai expressed his delight at this remarkable achievement and congratulated the successful candidates for their hard work and determination. The successful candidates are now poised to embark on promising research careers or pursue teaching opportunities, contributing significantly to the advancement of scientific knowledge and academic excellence in the country.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

फाइलेरिया के प्रति जागरूक कर दवाई लेने के लिए किया प्रेरित

लखनऊ। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय एवं उत्तर प्रदेश सरकार के राष्ट्रव्यापी फाइलेरिया मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) अभियान के तहत बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी के संयुक्त तत्वावधान में आरोग्य भवन मे फाइलेरिया ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कैम्प लगवाया गया। इस कैम्प के तहत तीन बूथ लगाये गये-एक आरोग्य भवन, दूसरा कैशियर कार्यालय के सामने तथा तीसरा द्वितीय परिसर में। कैम्प का उद्घाटन कुलपति प्रो. अलोक कुमार राय ने किया। कैम्प का आयोजन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू के नेतृत्व में आरोग्य भवन इंचार्ज डॉ. कुसुम यादव ने किया। कैम्प में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से डॉ. सोमनाथ, राज्य प्रोग्राम मैनेजर ध्रुव सिंह,

विश्व स्वास्थ्य संगठन से डॉ. नित्यानंद ठाकुर, जिला मलेरिया अधिकारी डा रितु श्रीवास्तव, सहायक प्रोग्राम मैनेजर विकास द्विवेदी सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। द्वितीय परिसर मे कैम्प का उद्घाटन द्वितीय परिसर के निदेशक डॉ आरके सिंह ने किया। अतिरिक्त छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ अभिषेक कुमार तिवारी के निर्देशन में दवा वितरण किया गया।

90 मिनट की होगी लखनऊ विवि की पीएचडी परीक्षा

परीक्षा समन्वयक बोले- नहीं की जाएगी निगेटिव मार्किंग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

»24 और 25 को लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित होंगी पीएचडी की परीक्षाएं

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाली पीएचडी परीक्षाएं 90 मिनट की होंगी। प्रवेश समन्वयक का कहना है कि परीक्षा में 70 प्रश्न पूछे जाएंगे। जिसमें 35 प्रश्न विषय आधारित रहेंगे।

लविवि 24 और 25 फरवरी को पीएचडी परीक्षाएं आयोजित कर रहा है। इसको लेकर संस्थान अपनी तैयारियां पूरी कर चुका है। प्रवेश परीक्षा के समन्वयक प्रो. पंकज माथुर बताते हैं कि 70 प्रश्नों का प्रश्न पत्र विकल्पों पर आधारित होगा। 35 प्रश्न विषयों से जुड़े होंगे जबकि अन्य रिसर्च विषय पर आधारित। परीक्षा में सफल होने के लिए सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को 35 और आरक्षित वर्ग को 33 अंक लाना अनिवार्य है। उत्तर पुस्तिकाओं में निगेटिव मार्किंग नहीं की जाएगी। समन्वयक बताते हैं कि 90 मिनट की परीक्षा में शामिल होने के लिए 30 मिनट पहले आना अनिवार्य है।

अभ्यर्थियों को इससे मिलेगी सहायता

लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रवेश पत्र पर क्यूआर कोड अंकित किया गया है। इसके सहारे अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र तक पहुंचने में सहायता मिलेगी।

मोबाइल की रहेगी नो इंट्री

प्रवेश परीक्षा में मोबाइल सहित अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरण लाने पर प्रतिबंध है। नीले और काले बॉल पेन व एडमिट कार्ड के अलावा मूल पहचान पत्र लाना अनिवार्य किया गया है।